11. EXAMINATION PROCESS

परीक्षा संबंधित प्रक्रिया

11.1 प्रायोगिक एवं परियोजना (प्रोजेक्ट) कार्य (Practical/Project work)

जिन कार्यक्रमों में (पीजीडीसीए एवं डीसीए) प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य निर्धारित हैं उसकी व्यवस्था निर्धारित केंद्रों पर ही की गई हैं। प्रोजेक्ट कार्य का विषय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विषयों के अनुसार ही होना चाहिए। संपर्क कक्षाओं के दौरान ही छात्र द्वारा परामर्शदाता की सहमति से प्रोजेक्ट कार्य इस प्रकार निर्धारित किया जाएगा कि प्रत्येक छात्र का प्रोजेक्ट विषय भिन्न-भिन्न रहें।

<u>प्रोजेक्ट कार्य संबंधित निर्देश</u>

अ. शिक्षार्थी को प्रायोगिक / परियोजना कार्य के लिए निर्धारित केंद्र की सूचना अध्ययन / क्षेत्रीय-केंद्र के माध्यम से दी जाएगी।

ब. सभी विषयों के संपर्क कक्षाओं में पाठ्यक्रम न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

11.2 सत्रीय कार्य (Assignment)

विश्वविद्यालय के प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी को सत्रीय कार्य करना अनिवार्य होगा।

1. इस वर्ष सत्रीय-परीक्षा के स्थान पर ''सत्रीय कार्य लेखन'' व्यवस्था की जाएगी, यह परीक्षा न होकर सत्रीय-कार्य का प्रस्तुतीकरण या लेखन होगा। सत्रीय-कार्य का अधिभार 30 प्रतिशत होगा।
2. उत्तर-पुस्तिका में निर्धारित जगह पर ही उत्तर लिखा जाएगा। परीक्षार्थी उतने ही जगह में उत्तर लिखने की योग्यता प्रदर्शित करेंगे।
3. सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न-पत्र एवं उत्तर-पुस्तिका पाठ्य-सामग्री के साथ ही उपलब्ध करा दिए जाएँगें। परीक्षार्थी सत्रीय-कार्य प्रश्न क्रमांक के अनुसार ही उत्तर-पुस्तिका में दिए गए निश्चित जगह में ही लिखेंगे।
4. सत्रीय-कार्य जिस प्रारुप का रहेगा सत्रांत-परीक्षा में उसी प्रकार के प्रारुप में उतने ही संख्या में प्रश्न पूछे जाऐंगे।
5. सत्रांत-परीक्षा में अब वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की संख्या सीमित रहेगी। इसके अतिरिक्त अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय, अर्धदीर्घउत्तरीय तथा दीर्घउत्तरीय प्रश्न रहेंगे। यह सत्रीय-कार्य के प्रश्न-पत्र जैसा ही रहेगा।
6. सत्रीय-कार्य पूर्ण कर विद्यार्थी अपने अध्ययन-केंद्र में समय-सारणी (पृष्ठ क्रमांक 29 में ''सत्र 2017-18 में सत्रीय कार्य जमा करने का प्रस्तावित समय-सारणी'') के अनुसार जमा करेंगे।

11.3 सत्रीय कार्य व सत्रांत परीक्षा प्रश्न-पत्र का स्वरूप

❖ <u>स्नातक आधार पाठ्यक्रम</u> :

1. बी.ए. / बी-एस.सी. / बी.कॉम. में आधार पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्य नहीं होगा, केवल सत्रांत परीक्षा होगी।
2. आधार पाठ्यक्रम के प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा, यह परीक्षा ओ.एम.आर. सीट पर होगी।
3. कुल प्रश्नों की संख्या = 50, प्रति प्रश्न = 01 अंक का होगा।

❖ <u>स्नातक के वैकल्पिक तथा स्नातकोत्तर एवं अन्य सभी पाठ्यक्रम</u> :

वैकल्पिक विषयों के सभी पाठ्यक्रमों के प्रश्न-पत्र निम्नानुसार होंगे -

<u>वर्ग ''अ'' - वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र (बिना विकल्प के) -</u>

❖ परीक्षार्थी को एक शब्द में या एक वाक्य में सही उत्तर देना होगा।
❖ हर इकाई से 02 प्रश्न इस प्रकार कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे, परीक्षार्थी को सभी 08 प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा।
❖ प्रति प्रश्न अंक - सत्रीय = ½ अंक , सत्रांत = 01 अंक का होगा।

<u>वर्ग ''ब'' - अतिलघुउत्तरीय प्रश्न -</u>

❖ इसके उत्तर की सीमा 75 शब्द होगा। चयनित विकल्प प्रश्न के उत्तर हेतु निर्धारित स्थान पर आधा पेज लिखना होगा।
❖ हर इकाई से एक, परंतु अधिक से अधिक दो प्रश्न हो सकते है। कुल 06 प्रश्न पूछे जाएँगे, परीक्षार्थी किन्हीं चयनित विकल्प प्रश्न का 04 प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा।
❖ प्रति प्रश्न अंक - सत्रीय = 01 अंक, सत्रांत = 2.5 अंक का होगा।

PSSOU, CG Bilaspur
VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

वर्ग ''स'' - लघुउत्तरीय प्रश्न -

- ❖ इसके उत्तर की सीमा 150 शब्द होगा। चयनित विकल्प प्रश्न के उत्तर हेतु निर्धारित स्थान पर एक पेज लिखना होगा।
- ❖ हर इकाई से कम से कम एक प्रश्न, परंतु इकाई से अधिकतम दो प्रश्न हो सकते है। कुल 04 प्रश्न पूछे जाएँगे, परीक्षार्थी किन्हीं चयनित विकल्प प्रश्न का 03 प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा।
- ❖ प्रति प्रश्न अंक - सत्रीय = 02 अंक, सत्रांत = 5 अंक का होगा।

वर्ग ''द'' - अर्ध-दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

- ❖ इसके उत्तर की सीमा 300 शब्द होगा। चयनित विकल्प प्रश्न के उत्तर हेतु निर्धारित स्थान पर दो पेज लिखना होगा।
- ❖ हर इकाई से एक प्रश्न इस प्रकार कुल 04 प्रश्न पूछे जाएँगे, परीक्षार्थी किन्हीं चयनित विकल्प प्रश्न का 02 प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा।
- ❖ प्रति प्रश्न अंक - सत्रीय = 04 अंक, सत्रांत = 10 अंक का होगा।

वर्ग ''इ'' - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

- ❖ इसके उत्तर की सीमा 600-700 शब्द होगा। चयनित विकल्प प्रश्न के उत्तर हेतु निर्धारित स्थान पर 04-05 पेज लिखना होगा।
- ❖ किन्हीं दो इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जायेंगे, कुल 02 प्रश्न पूछे जायेंगे, परीक्षार्थी किन्हीं चयनित विकल्प प्रश्न का 01 प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
- ❖ प्रति प्रश्न अंक - सत्रीय = 08 अंक, सत्रांत = 17 अंक का होगा।

11.4 सत्रीय-कार्य जमा करना -

सभी छात्र अपना सत्रीय-कार्य पूर्ण कर अनिवार्य रूप अपने अध्ययन-केंद्र में जमा करेंगे। निर्धारित समय-सारणी के पश्चात् कोई भी सत्रीय-कार्य जमा नहीं किया जायेगा। सत्रीय कार्य जमा करते समय अपने संबंधित अध्ययन केंद्र से पावती अवश्य प्राप्त करे एव सुरक्षित रखें ताकि आवश्यकता होने पर प्रस्तुत किया जा सके। नियत तिथि में जमा नहीं होने की दशा में अगले शैक्षणिक सत्र में ही जमा कर सकेंगें। अतः नियत तिथि में सत्रीय कार्य जमा करें।

सत्रीय कार्य लेखन एवं उन्हें जमा करना -

1 जुलाई 2017 में प्रवेशित विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य लिखकर संबंधित अध्ययन-केंद्र में जमा करने की तिथि 15 फरवरी से 28 फरवरी 2018 तक निर्धारित है, इसके पश्चात् कोई भी विद्यार्थी का सत्रीय कार्य जमा नहीं कर सकेंगे। दिनांक 28 फरवरी 2018 तक जमा नहीं करने वाले विद्यार्थी अपना सत्रीय कार्य अगले शैक्षणिक-सत्र में जमा कर पुनः परीक्षा संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा कर ए.टी.के.टी. (पूरक) के रूप में नियमानुसार शुल्क जमा कर सम्मिलित होंगे।

2 सत्रीय कार्य विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे किसी दूसरे से लिखवाया गया, छायाप्रति या टंकित सिद्ध होने पर नकल प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

3 सत्रीय कार्य लेखन स्नातक, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 प्रतिशत एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत अंक का होगा।

सत्र - 2017-18 में सत्रीय कार्य जमा करने का प्रस्तावित समय-सारणी

1.	15 फरवरी 2018 - बी.ए. प्रथम वर्ष	9.	23 फरवरी 2018 - बी.कॉम. तृतीय वर्ष
2.	16 फरवरी 2018 - बी.ए. द्वितीय वर्ष	10.	24 फरवरी 2018 - एम.ए. पूर्व
3.	17 फरवरी 2018 - बी.ए. तृतीय वर्ष	11.	25 फरवरी 2018 - एम.ए. अंतिम
4.	18 फरवरी 2018 - बी.एस-सी. प्रथम वर्ष	12.	26 फरवरी 2018 - एम.एस-सी. पूर्व / अंतिम
5.	19 फरवरी 2018 - बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	13.	27 फरवरी 2018 - डिप्लोमा इन योगा
6.	20 फरवरी 2018 - बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	14.	28 फरवरी 2018 - डिप्लोमा इन डी.सी.ए.
7.	21 फरवरी 2018 - बी.कॉम. प्रथम वर्ष	15.	28 फरवरी 2018 - डिप्लोमा इन पी.जी.डी.सी.ए.
8.	22 फरवरी 2018 - बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	अंतिम तिथि के पश्चात् सत्रीय कार्य जमा नहीं होगा।	

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal
Incharge NAAC Criteria
PSSOU, CG Bilaspur

11.5 प्रायोगिक परीक्षाएँ -

प्रायोगिक परीक्षाओं की समय-सारणी 15 दिसंबर 2017 तक जारी किया जावेगा। विद्यार्थी अपने अध्ययन-केंद्र से एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकलन कर नियत तिथि की जानकारी प्राप्त कर प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होंगे। प्रायोगिक परीक्षा के पूर्व संपर्क कक्षाओं का आयोजन अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार होगा। (देखें 11:8)

11.6 सत्रांत परीक्षा (Term End Examination)

सत्रीय कार्य में शामिल अन्य शर्ते पूरी करते हैं केवल उन्हें सत्रांत परीक्षा में बैठने की पात्रता है।

विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र के अंत में प्रत्येक पंजीकृत पात्र विद्यार्थी की परीक्षा अध्यादेश क्र. 03 के अनुसार ली जाएगी।

1. प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा घोषित समय-सारणी एवं स्थान पर परीक्षा देगें।
2. निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार सैद्धांतिक परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, परीक्षा प्रवेश-पत्र के आधार पर परीक्षार्थी निर्धारित परीक्षा-केंद्र से परीक्षा में सम्मिलित होंगे। बिना कुलसचिव / परीक्षा नियंत्रक की अनुमति से दी गई परीक्षा मान्य नहीं की जाएगी।
3. प्रत्येक पाठ्यक्रम का कुल 70% weightage सत्रांत परीक्षा का होगा।
4. सत्रांत परीक्षा में उत्तर-पुस्तिका का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक 03 के प्रावधान के अंतर्गत किया जाएगा।

11.7 परीक्षा परिणाम (Examination Result)

परिणाम संबंधी निर्देश

1. यदि अपात्र परीक्षार्थी को त्रुटिवश विश्वविद्यालय से अंकसूची जारी हो जाती है तो उसे विश्वविद्यालय द्वारा निरस्त किया जा सकेगा।
2. अंकसूची प्राप्त होने पर परीक्षार्थी परीक्षण कर लें कि उनका नाम, पिता / माता का नाम, अध्ययन / परीक्षा केंद्र का नाम, चयनित विषयों / प्रश्न-पत्रों का नाम, अनुक्रमांक / पंजीयन क्रमांक सही दर्ज है। यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसका उल्लेख करते हुए परिणाम घोषणा के 45 दिनों के भीतर क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र के माध्यम से अथवा सीधे विश्वविद्यालय को मूल अंकसूची लौटा दे जिससे अभिलेख में सुधार कर सही अंकसूची जारी की जा सके। 45 दिनों के बाद त्रुटि सुधार शुल्क रु. 100/- विश्वविद्यालय कोष में जमा करना अनिवार्य है।
3. परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न-पत्र के TMA, TEX एवं TEE तथा प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट में पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय एवं OMR पद्धति से आयोजित परीक्षाओं में पुर्नगणना एवं पुर्नमूल्यांकन का प्रावधान नहीं है।
5. कृपांक अधिकतम 5 अंक निर्धारित है जिन्हें आवश्यकतानुसार दो विषयों / प्रश्न-पत्रों में विभाजित किया जा सकता है।

न्यूनतम उत्तीर्णांक

क्र.	पाठ्यक्रम	अ. सत्रीय कार्य के प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक	ब. सत्रांत परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक	स. सत्रीय एवं सत्रांत को मिला कर प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक	प्रायोगिकी में स्वतंत्र रुप से पास होना जरुरी है। न्यूनतम उत्तीर्ण अंक
1	स्नातक, स्नातक डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र	33%	25%	33%	33%
2	स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा	40%	30%	40%	40%
3	स्नातक स्तर के व्यावसायिक पाठ्यक्रम	33%	33%	33%	33%
4	स्नातकोत्तर यावसायिक पाठ्यक्रम	40%	40%	40%	40%

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की घोषणा निम्नलिखित 10 बिंदु ग्रेड पद्धति (10 Point grading system) के आधार पर होगी।

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge IQAC Criteria-
PSSOU, CG Bilaspur

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Grade Scale

Grade	Grade Point	Range of Marks
O (Outstanding)	10	90 & above
A+ (Excellent)	9	75 - < 90
A (Very Good)	8	62 - < 75
B+ (Good)	7	55 - < 62
B (Above average)	6	50 - < 55
C (Average)	5	45 - < 50
P (Pass)	4	40 - < 45 (For PG & PG Diploma Courses)
		33 - < 45 (For UG, Diploma & Certificate Courses)
F (Fail)	0	< 40 (For PG & PG Diploma Courses)
		< 33 (For (UG, Diploma & Certificate Courses)
Ab (Absent)	-	

Computation of GPA $GPA(Si) = \Sigma (Ci \times Gi) / \Sigma Ci$

Subject	Credit	Grade letter	Grade point	Credit Point (Credit x Grade)
Subject 1	3	A	8	3x8 = 24
Subject 2	4	B+	7	4X7 = 28
Subject 3	3	B	6	3X6 = 18
Subject 4	3	O	10	3X10 = 30
Subject 5	3	C	5	3X5 = 15
Subject 6	4	B	6	4X6 = 24
	20			139

GPA = 139/20 = 6.95

Computation of CGPA $CGPA = \Sigma (Ci \times Si) / \Sigma Ci$

Annual Exam. 1	Annual Exam. 2	Annual Exam. 3
Credit : 20	Credit : 22	Credit : 25
GPA : 6.9	GPA : 7.8	GPA : 5.6

$$CGPA = \frac{20 \times 6.9 + 22 \times 7.8 + 25 \times 5.6}{67} = \frac{449.6}{67} = 6.71$$

प्राप्तांक में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कुल प्राप्तांक एवं उसका प्रतिशत भी दिया जावेगा।

VERIFIED REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria-VII
PSSOU, CG Bilaspur